पादपो में बीजाण्डन्यास (Plant Placentation in hindi)

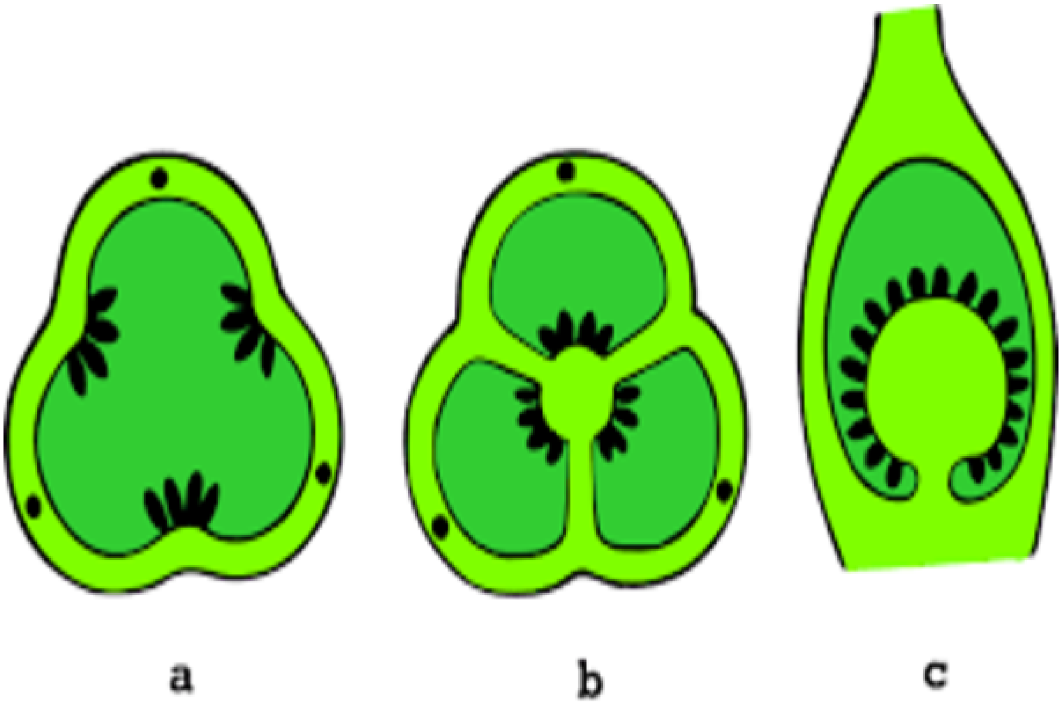

बीजाण्डन्यास और इसके विभिन्न प्रकार (Placentation in hindi)

बीजाण्डन्यास (Placentation)

अंडाशय में बीजाण्डों की व्यवस्था को बीजाण्डन्यास (Placentation) कहते है। यह निम्न प्रकार का होता है-

1. सीमांत (Marginal)
2. आधारीय (Basal)
3. स्तंभीय (Axile)
4. मुक्त अक्षीय (Free-central)
5. भित्तीय (Parietal)
6. परिभित्तीय (Superficial or Laminar)

सीमांत (Marginal)

इस प्रकार का बीजाण्डन्यास एकाण्डपी अंडाशय होता है। जिसमें बीजाण्ड (Placenta) अंडाशय की अधर सीवनी (ventral suture) पर पाया जाता है।
उदाहरण Leguminosae जैसे मटर, चना।

आधारीय (Basal)

यह बहुअण्डपी, युक्ताण्डपी तथा एककोष्ठ्की अंडाशय में पाया जाता है। इसमें बीजाण्ड (Placenta) अंडाशय के आधारी भाग पर लगे रहते है।
उदाहरण Compositae जैसे सूर्यमुखी तथा मेरीगोल्ड।

स्तंभीय (Axile)

द्विअण्डपी या बहुअण्डपी, युक्ताण्डपी अंडाशय में आभासी स्तंभ या अक्ष होता है। जिस पर बीजाण्ड (Placenta) लगे रहते है। इनमें कोष्ठों की संख्या अण्डप की संख्या के बराबर होती है। किन्तु कभी कभी कूट पट बन जाने के कारण कोष्ठों की संख्या अधिक हो सकती है।
उदाहरण – Solanaceae जैसे आलू धतुरा तथा Malvaceae जैसे गुडहल, कपास, भिंडी।

मुक्त अक्षीय या मुक्त स्तंभीय (Free-central)

यह बहुअण्डपी, युक्ताण्डपी तथा एककोष्ठ्की अंडाशय में पाया जाता है। इसमें बीजाण्ड (Placenta) अंडाशय के मध्य में केन्द्रीय अक्ष पर लगे रहते है।
उदाहरण – Primulaceae जैसे प्रिमरोज।

भित्तीय (Parietal)

यह द्विअण्डपी या बहुअण्डपी, युक्ताण्डपी तथा एककोष्ठ्की अंडाशय में पाया जाता है। इसमें बीजाण्ड (Placenta) अंडाशय की परिधि पर अण्डपो के संधि स्थलों पर लगे रहते है।
उदाहरण – Cruciferae जैसे सरसों, मूली, Papaveraceae जैसे अफीम।

परिभित्तीय (Superficial or Laminar)

यह बहुअण्डपी, युक्ताण्डपी तथा बहुकोष्ठ्की अंडाशय में पाया जाता है। इसमें बीजाण्ड (Placenta) बहुकोष्ठ्की अंडाशय के पटो पर विकसित होता है। यह स्तंभीय के समान ही होता है। लेकिन अंडाशय बहुकोष्ठ्की होता है। उदाहरण- Nymphaea जैसे कमल, वाटरलिली।

बीजाण्डन्यास (Placentation in hindi) सीमांत (Marginal) आधारीय (Basal) स्तंभीय (Axile) मुक्त अक्षीय (Free-central) भित्तीय (Parietal) परिभित्तीय (Superficial or Laminar)